

**ArRahmah Islamic Institute**

***AHSANUL BAYAN 2017***

***JUZ 1-Part 1***

|  |
| --- |
| TEST DUE DATE : June 30th, 2017 |

***Instructions:-***

1. Please **DO NOT DISCUSS** the test at all, with anyone whosoever, in the class until she has already attempted it.
2. Attempt the test very neatly.
3. Once you open the test, you are not allowed to open any Quran or notes.
4. You are required to complete the test in one sitting.

***Directions:-***

1. Print out a hard copy of test or you can attempt your test online on your own computer.
2. Fill out the answers in the time frame designated on the test itself.
3. Please write your answer with blue pen. No red ink allowed.
4. Please write word to word meaning under each word. **DO NOT** write running meaning of the whole ayah.
5. Please revise the test before emailing it.
6. All Students please email attempted test to your group incharge.

**پارٹ 1 پارہ 1**

|  |
| --- |
| June 30th, 2017 ٹیسٹ دینے کی آخری تاریخ |

برائے مہربانی اپنے ٹیسٹ کے بارے میں کسی سے بات نہ کریں، جب تک وہ اپنا ٹیسٹ نہ دے دیں **-:ہدایات**

.

.خوشخطی صاف ہونی ضروری ہے

ایک دفعہ جب آپ نے ٹیسٹ کھول لیا پھرآپ کوئی بھی قرآن اور دوسرے کوئی نوٹس

.نہیں کھول سکتے ہیں

.آپ کو ٹیسٹ کھولنے کے بعد،ٹیسٹ ایک دفعہ ہی بیٹھ کے دینا ہو گا

.ٹیسٹ کی کاپی نکل لیں

.اپنے جوابات کو خالی خانوں میں لکھیں

.برائے مہربانی اپنے جوابات دینے کے لئے نیلے قلم کا استمعال کریں لال قلم نہیں استمعال کرسکتے

.برائے مہربانی لفظی ترجمہ لکھنے کے لئے صحیح لفظ کے نیچے لکھیے

.ای میل کرنے سے پہلے اپنا ٹیسٹ ایک بار ضررو پڑھ لیجیے گا

. برائے مہربانی ٹیسٹ دینے کے بعد اپنا ٹیسٹ گروپ انچا رج کو ای ميل کريں



**ArRahmah Islamic Institute**

***AHSANUL BAYAN 2017***

**Juz 1- Part 1**

**Name/ نام :**

**Group Incharge/گروپ انچا رج:**

**Date/تاریخ:**

**Country(state)/اسٹیٹ/ ملک**

**Write word to word meaning Only of following Ayahs:**

**:مندرجہ ذیل آیات کا لفظی ترجمہ کریں**

ٱلۡحَمۡدُ لِلَّهِ رَبِّ ٱلۡعَٰلَمِينَ ٢ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ ٣

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |

مَٰلِكِ يَوۡمِ ٱلدِّينِ ٤ إِيَّاكَ نَعۡبُدُ وَإِيَّاكَ نَسۡتَعِينُ ٥

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |

ٱهۡدِنَا ٱلصِّرَٰطَ ٱلۡمُسۡتَقِيمَ ٦ صِرَٰطَ ٱلَّذِينَ أَنۡعَمۡتَ عَلَيۡهِمۡ

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |

غَيۡرِ ٱلۡمَغۡضُوبِ عَلَيۡهِمۡ وَلَا ٱلضَّآلِّينَ ٧

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |

كَيۡفَ تَكۡفُرُونَ بِٱللَّهِ وَكُنتُمۡ أَمۡوَٰتٗا فَأَحۡيَٰكُمۡۖ

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |

ثُمَّ يُمِيتُكُمۡ ثُمَّ يُحۡيِيكُمۡ ثُمَّ إِلَيۡهِ تُرۡجَعُونَ ٢٨

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |

هُوَ ٱلَّذِي خَلَقَ لَكُم مَّا فِي ٱلۡأَرۡضِ جَمِيعٗا

|  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |

ثُمَّ ٱسۡتَوَىٰٓ إِلَى ٱلسَّمَآءِ فَسَوَّىٰهُنَّ سَبۡعَ سَمَٰوَٰتٖۚ وَهُوَ

|  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |

بِكُلِّ شَيۡءٍ عَلِيمٞ ٢٩ وَإِذۡ قَالَ رَبُّكَ لِلۡمَلَٰٓئِكَةِ إِنِّي

|  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |

جَاعِلٞ فِي ٱلۡأَرۡضِ خَلِيفَةٗۖ قَالُوٓاْ أَتَجۡعَلُ فِيهَا مَن

|  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |

يُفۡسِدُ فِيهَا وَيَسۡفِكُ ٱلدِّمَآءَ وَ نَحۡنُ نُسَبِّحُ

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |

بِحَمۡدِكَ وَ نُقَدِّسُ لَكَۖ قَالَ إِنِّيٓ أَعۡلَمُ

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |

مَا لَا تَعۡلَمُونَ ٣٠ وَعَلَّمَ ءَادَمَ ٱلۡأَسۡمَآءَ كُلَّهَا

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |

ثُمَّ عَرَضَهُمۡ عَلَى ٱلۡمَلَٰٓئِكَةِ فَقَالَ أَنۢبِ‍ُٔونِي

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |

بِأَسۡمَآءِ هَٰٓؤُلَآءِ إِن كُنتُمۡ صَٰدِقِينَ ٣١ قَالُواْ

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |

سُبۡحَٰنَكَ لَا عِلۡمَ لَنَآ إِلَّا مَا عَلَّمۡتَنَآۖ إِنَّكَ

|  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |

أَنتَ ٱلۡعَلِيمُ ٱلۡحَكِيمُ ٣٢ قَالَ يَٰٓـَٔادَمُ أَنۢبِئۡهُم

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |

بِأَسۡمَآئِهِمۡۖ فَلَمَّآ أَنۢبَأَهُم بِأَسۡمَآئِهِمۡ قَالَ أَلَمۡ

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |

أَقُل لَّكُمۡ إِنِّيٓ أَعۡلَمُ غَيۡبَ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلۡأَرۡضِ

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |

وَأَعۡلَمُ مَا تُبۡدُونَ وَ مَا كُنتُمۡ تَكۡتُمُونَ ٣٣

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |

**Write the meanings of following words**

مندرجہ ذیل الفاظ کا لفظی ترجمہ کریں

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| رَغَدًا | ٱهۡبِطُواْ | مَوۡعِظَةٗ | ٱلۡحَرۡثَ | رَفَعۡنَا |

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |